

आजादी का अमृत महोत्सव (India@75) कार्यक्रम के दौरान दिनांक 08.11.2021 को केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला में "शहरों में वायु प्रदूषण से संबंधित समस्याओं के कारण और शमन" के विषय पर श्री रवि अग्रवाल, वैज्ञानिक 'डी' द्वारा ऑनलाइन भाषण दिया गया ।

#आजादीकाअमृतमहोत्सव

एयर पॉल्यूशन से निपटने के वो कदम जो सरकार को नहीं, हमको उठाने हैं

□ एयर पॉल्यूशन पूरी दुनिया के सामने एक चुनौती बनकर उभरा है. दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित 20 शहरों में 14 शहर भारत के हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक 2016 में वायु प्रदूषण के कारण सबसे ज्यादा एक लाख बच्चों की मौत भारत में हुई दुनिया भर के एक्सपर्ट, पॉलिटिकल लीडर्स और संस्थाएं वायु प्रदूषण को लेकर चिंता जाहिर कर रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से 25 उपाय बताए गए हैं ताकि 2030 तक एशिया और पसिफिक क्षेत्र के लोगों को साफ हवा नसीब हो सके. लेकिन इन सब के बीच इस वैश्विक चुनौती से निपटने और इसे कंट्रोल करने के लिए आप क्या कर सकते हैं, ये बेहद अहम है.

□ पॉल्यूशन के सोर्स को समझें पर्यावरणविद और सोशल एक्शन फॉर फॉरेस्ट एंड एन्वायरमेंट (SAFE) के सदस्य विक्रांत तोगड़ कहते हैं कि इसमें पब्लिक का काफी अहम रोल हो सकता है. एयर पॉल्यूशन से लड़ने के लिए सबसे पहले ये समझने की जरूरत है कि पॉल्यूशन का सोर्स क्या है. जैसे गाड़ियों से निकलने वाले धुएं, सड़कों के किनारे धूल के कण, खुले में कचरे को जलाना, जिसमें पराली जलाना भी शामिल है. कदम जो सरकार को नहीं, आपको उठाने हैं.

39

N. P. Honkanadavar

Dr R. Chitra, Director, CSMRS

उमा शंकर विद्यार्थी

Viewing रवि अग्रवाल's applic...

वायु गुणवत्ता सूचकांक(AQI)

□ वायु गुणवत्ता सूचकांक, यह दरअसल एक नंबर होता है जिसके जरिए हवा का गुणवत्ता पता लगाया जाता है। साथ-इसके जरिए भविष्य में होने वाले प्रदूषण के स्तर का भी पता लगाया जाता है।

□ हर देश का Air Quality Index वहां मिलने वाले प्रदूषण कारकों के आधार पर अलग अलग होता है। भारत में एक्यूआई को मिनिस्ट्री आफ एनवायरमेंट, फॉरेस्ट और क्लाइमेट चेंज ने लॉन्च किया. इसे 'एक सड़क, एक रंग, एक विवरण' के आधार पर लॉन्च किया गया था. दरअसल देश में अभी बहुत बड़ी आबादी है जो शिक्षित नहीं है, इस लिए उन्हें प्रदूषण की गंभीरता को समझाने के लिए इसमें रंगों को भी शामिल किया गया।

□ एक्यूआई को इसकी रीडिंग के आधार पर छह कैटेगरी में बांटा गया है. 0 और 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'सतोषजनक', 101 और 150 के बीच 'मध्यम', 151 और 200 के बीच 'खराब', 201 और 300 के बीच 'बेहद खराब' और 301 से 500 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

□ भारत में एक्यूआई आठ प्रदूषण कारकों (PM10, PM 2.5, NO₂, SO₂, CO₂, O₃, NH₃ और Pb) के आधार पर तय होती है। पिछले 24 घंटे में इन कारकों मात्रा के आधार पर हवा की गुणवत्ता को बताता है। इसके लिए किसी भी शहर के अलग अलग जगहों पर इसे लगाया जाता है। इसकी रीडिंग के आधार पर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी दिशा निर्देश भी जारी किए जाते हैं।

11

1 GREENHOUSE GASSES

| INCREASE SMOG | RISE IN MOLD | MORE POLLEN |

“शहरों में वायु प्रदूषण से संबंधित समस्याओं के कारण और शमन”

रवि अग्रवाल, वैज्ञानिक-डी

